CLASS-III
पत्र-लेखन

अनौपचारिक पत्र (Anaupcharik Patra) – अपने मित्र को परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उसे बधाई दीजिए

3/15 शास्त्री नगर
आगरा

प्रिय मित्र भरत
नमस्ते

तुम्हारे पिता को फोन किया तो उन से ज्ञात हुआ कि तुमने बोर्ड की परीक्षा में आगरा मंडल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह समाचार सुनकर मेरा मन खुशी से भर गया। मुझे तो पहले से ही विश्वास था कि तुम परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हो जाओगे लेकिन यह जानकर कि तुमने परीक्षा में प्रथम श्रेणी के साथ-साथ मंडल में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है, मेरी प्रश्न उत्तर की सीमा नहीं रही। इस परीक्षा के लिए तुम्हारी मेहनत और नियमित अनुशासन पूर्वक पढ़ाई में ही तुम्हें इस सफलता तक पहुंचाया है।। मुझे पूरी आशा थी कि तुम्हारी मेहनत रंग लाएगी और मेरा अनुमान सच

साबित हुआ।। तुम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम से जीवन में कोई भी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

मैं सदा ही यह कामना करूंगा कि तुम्हें जीवन में हर परीक्षा में प्रथम आने का सौभाग्य प्राप्त हो और तुम इसी प्रकार परिवार और विद्यालय का गौरव बढ़ाते रहो। इतना ही नहीं,। इसी प्रकार मेहनत करते रहो और अधिक से अधिक अंक प्राप्त कर जीवन की सभी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करो।
शेष मिलने पर

तुम्हारा मित्र
पवन